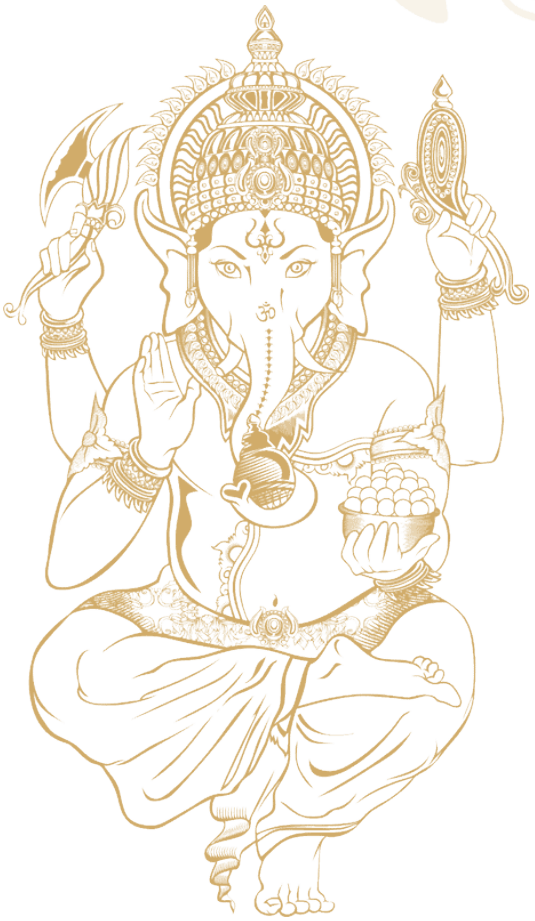

Raghav

Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121023007

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/02/1998	जन्म तिथि	24/09/2001
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 16:05:00	जन्म समय	20:15:00 घंटे
घटी 22:21:34	जन्म समय(घटी)	35:16:01 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Hapur
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:43:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:18:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:22	सूर्योदय	06:08:15
17:57:28	सूर्यास्त	18:13:07
23:49:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:35

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 1वर्ष 9मा 27दि		25:26:30	मिथु	लग्न	मेष	20:11:21	केतु 1वर्ष 7मा 16दि	
शुक्र		18:32:03	मक	सूर्य	कन्या	07:44:33	सूर्य	
30/11/2023		15:23:08	मीन	चंद्र	धनु	10:13:55	12/05/2023	
30/11/2043		11:43:39	कुंभ	मंगल	धनु	14:52:15	12/05/2029	
शुक्र	01/04/2027	04:18:20	मक	बुध	तुला	03:15:08	सूर्य	30/08/2023
सूर्य	31/03/2028	05:27:32	कुंभ	गुरु	मिथु	19:25:56	चन्द्र	28/02/2024
चन्द्र	30/11/2029	25:02:35	धनु व	शुक्र	सिंह	10:25:29	मंगल	05/07/2024
मंगल	30/01/2031	21:38:45	मीन	शनि	वृष	21:05:16	राहु	30/05/2025
राहु	29/01/2034	16:56:19	सिंह	राहु	मिथु	08:01:34	गुरु	18/03/2026
गुरु	29/09/2036	16:56:19	कुंभ	केतु	धनु	08:01:34	शनि	28/02/2027
शनि	30/11/2039	15:05:09	मक	हर्ष व	मक	27:33:26	बुध	04/01/2028
बुध	30/09/2042	06:17:43	मक	नेप व	मक	12:15:53	केतु	11/05/2028
केतु	30/11/2043	13:49:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:56:31	शुक्र	12/05/2029

लग्न-चलित

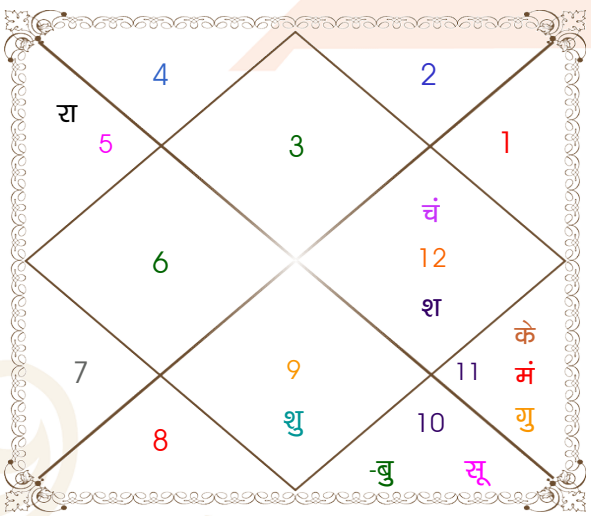

लग्न-चलित

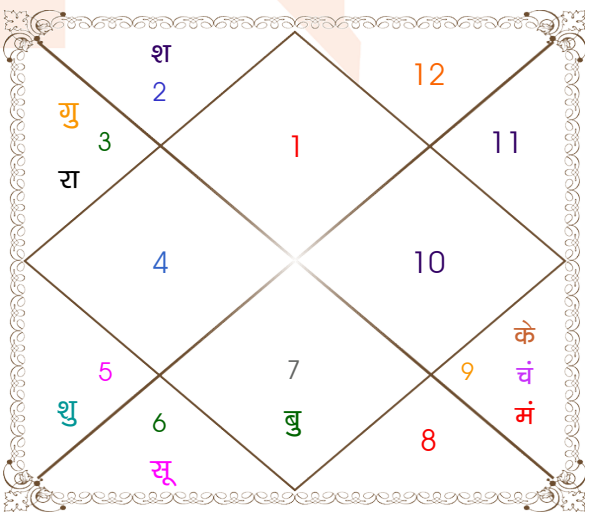

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Raghav का वर्ग सिंह है तथा Sakshi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Raghav और Sakshi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Raghav मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Sakshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Raghav तथा Sakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।